

वर्तमान और उभरती समष्टि आर्थिक स्थितिके आकलन के आधार पर मौद्रिक नीतिसमिति (एमपीसी) ने आज (7 जून 2024) की अपनी बैठक में नमिनलखिति का नरिणय लयिा:

- चलनधि सिमायोजन सुवधि (एलएएफ) के अंतरगत नीतगित रेपो दर को 6.50 परतशित पर अपरविरतति रखा जाए।
परणामस्वरूप, स्थायी जमा सुवधि (एसडीएफ) दर 6.25 परतशित और सीमांत स्थायी सुवधि (एमएसएफ) दर और बैंक दर 6.75 परतशित पर अपरविरतति रहेंगी।
- एमपीसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि मुद्रास्फीति उत्तरोत्तर लक्ष्य के अनुरूप हो और विकास का समर्थन करते हुए नभिव को वापस लेने पर ध्यान केंद्रित किया जाए
ये नरिणय वृद्धि का समर्थन करते समय +/- 2 परतशित के बैंड के भीतर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के लिए 4 परतशित के मध्यम अवधि के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य के अनुरूप है।

मूल्यांकन और दृष्टिकोण

2. वैश्विक आर्थिक गतिविधि रिबैलेसिंग कर रही है और 2024. में स्थिर गति से बढ़ने की उम्मीद है। सेवाओं की मुद्रास्फीति उच्च बनी हुई तथा लक्ष्यों की ओर धीमी प्रगतिके साथ मुद्रास्फीति एकसमान रूप से कम हो रही है। केंद्रीय बैंकों द्वारा नीतगित गति और समय पर अनश्चितता वृत्तीय बाजारों को अस्थिर बना रही है। उन्नत और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में इक्विटी बाजारों ने नई उच्चता को छुआ है। गैर-ऊर्जा पण्य-वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है जबकि अमेरिकी डॉलर और बॉण्ड प्रतफल उभरती बाजार मुद्राओं में स्पिलओवर के साथ दोतरफा उतार-चढ़ाव प्रदर्शित कर रहे हैं। सोने की कीमतों में वृद्धि हुई है जो सुरक्षित आश्रय मांग पर उच्च रिकॉर्ड करती है

3. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 31 मई 2024 को जारी अनंतिम अनुमानों के अनुसार, प्रश्न4:2023-24. में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि प्रश्न3. में 8.6 परतशित के मुकाबले 7.8 परतशित थी। वर्ष 2023-24 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 8.2 परतशित थी। आपूर्ति पक्ष पर वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की वृद्धि तिमाही 4:2023-24 में 6.3 परतशित हो गई। वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) ने वर्ष 2023-24 में 7.2 परतशित की वृद्धि दर्ज की।

4. आगे जाकर घरेलू गतिविधिके उच्च आवृत्ति संकेतक 2024-25. में लचीलापन दर्शा रहे हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से अधिक होने की उम्मीद है जो कृषि और ग्रामीण मांग के लिए अच्छा है। वनिरिमाण और सेवाओं की गतिविधियों में लगातार गतिके साथ-साथ यह नज्दी खपत में पुनरुज्जीवन को संक्षम बनाएगा। उच्च क्षमता उपयोग, बैंकों और कंपनियों के स्वस्थ तुलन-पत्र, बुनियादी ढांचे के खर्च पर सरकार का निरंतर जोर और कारोबारी भावनाओं में आशावादति के साथ निवेश गतिविधि टिरेक पर रहने की संभावना है। विश्व व्यापार की संभावनाओं में सुधार से बाह्य मांग में सहायता मलि सकती है। तथापि, भू-राजनीतिक तनावों, अंतरराष्ट्रीय वस्तुओं की कीमतों में अस्थिरता और भू-आर्थिक वखिंडन से परिदृश्य के लिए जोखिम पैदा होते हैं। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर प्रश्न1 के साथ 7.2 परतशित, प्रश्न2 7.2 परतशित; प्रश्न3 7.3 परतशित; और प्रश्न4 7.2 परतशित पर अनुमानति है (चार्ट 1) 7.3। जोखिम समान रूप से संतुलति है।

5. फरवरी 2024 से हेडलाइन मुद्रास्फीति में क्रमिक नरमी देखी गई है, हालांकि यह फरवरी में 5.1 प्रतिशत से अप्रैल 2024 में 4.8 प्रतिशत तक एक संकीर्ण सीमा में है। तथापि, सब्जियों, दालों, अनाज और मसाले में मुद्रास्फीति के दबाव के बने रहने के कारण खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ी है। मार्च-अप्रैल के दौरान ईंधन की कीमतों में कमी में वृद्धि हुई जो तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों में कटौती को दर्शाती है। प्रमुख (खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई) मुद्रास्फीति अप्रैल में और कम होकर 3.2 प्रतिशत हो गई, जो वर्तमान सीपीआई श्रृंखला में सबसे कम है, प्रमुख सेवाओं की मुद्रास्फीति भी ऐतिहासिक नचिले स्तर तक गिर रही है।

6. आगे देखते हुए, प्रतिकूल जलवायु घटनाओं की बढ़ती घटनाओं से प्रभावित झटके खाद्य मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र को काफी अनिश्चितता प्रदान करते हैं। कीमतों में हाल की तेज उछाल को देखते हुए प्रमुख रबी फसलों, विशेष रूप से दालों और सब्जियों के बाजार आगमन की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए। तथापि, सामान्य मानसून से वर्ष के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव में नरमी आ सकती है। नविष्टियां लागत से दबाव बढ़ जाना शुरू हो गया है और रजिर्व बैंक द्वारा सर्वेक्षण किए गए उद्यमों के शुरुआती परिणाम बिक्री मूल्य स्थिर रहने की उम्मीद करते हैं। कच्चे तेल की कीमतों और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता के साथ-साथ गैर-ऊर्जा पण्य वस्तुओं की कीमतों में मजबूती के कारण मुद्रास्फीति के प्रति अपसाइड जोखिम बने हुए हैं। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए, 2024-25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति प्रश्न 1 के साथ 4.5 प्रतिशत, प्रश्न 2 3.8 प्रतिशत; प्रश्न 3 4.6 प्रतिशत; और प्रश्न 4 4.5 प्रतिशत पर अनुमानित है (चार्ट 2) 4.9। जोखिम समान रूप से संतुलित हैं।